WORLD HISTORY

@ 8:00 PM

DSSSB - TGT :

Social Science

WORLD HISTORY

01

पुनर्जागरण धर्म सुधार आंदोलन एवं प्रबोधन

14-16वीं शताब्दी में धार्मिक बंधनों के विरुद्ध तार्किक आंदोलन

02

अमेरिकी क्रांति

1783 में ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध स्वतन्त्रता के उद्देश्य से

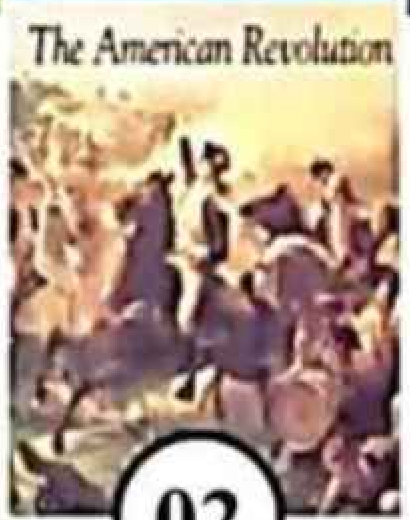

03

फ्रांसीसी क्रांति

1789 में राजतंत्र एवं असमानता के विरुद्ध समानता, स्वतन्त्रता एवं बंधुता के नारे के साथ

04

औद्योगिक क्रांति

18-19वीं शताब्दी में यूरोपीय देशों में मशीनीकृत उद्योगों की शुरुवात

05

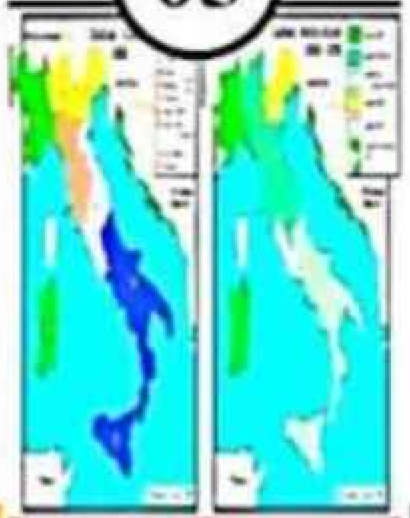

इटली का एकीकरण

मेजिनी, कावूर, गैरीबाल्डी आदि के नेतृत्व में 1870 ई. में इटली का एकीकरण

06

जर्मनी का एकीकरण

बिस्मार्क के रक्त और लोह की नीति से 1871 में जर्मनी का एकीकरण हुआ।

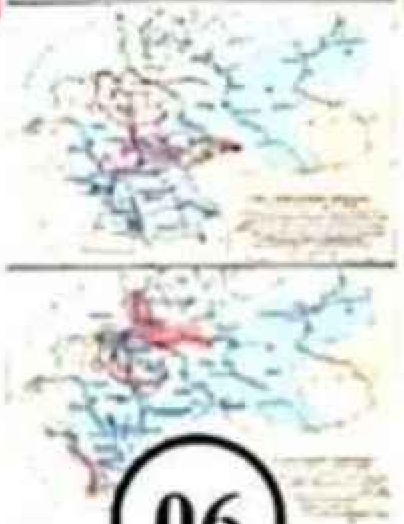

07

प्रथम विश्व युद्ध

ऑस्ट्रिया के राजकुमार फर्डिनेंड की सेराजेवो में हत्या के कारण मित्र राष्ट्रों एवं धुरी राष्ट्रों के के मध्य 1914-18 में युद्ध हुआ

08

1917 की रूसी क्रांति

ज़ार शासन का अन्त, रूसी सोवियत संघात्मक समाजवादी गणराज्य की स्थापना, बोल्शेविक पार्टी के नेता लेनिन के नेतृत्व में क्रांति

09

फासीवाद और नाजीवाद

इटली में मुसोलिनी के नेतृत्व में फासीवाद एवं जर्मनी में हिटलर के नेतृत्व में नाजीवाद का उदय हुआ।

10

द्वितीय विश्व युद्ध

धुरी राष्ट्रों एवं मित्र राष्ट्रों के मध्य 1939-45 में हुआ युद्ध

11

1949 की चीनी क्रांति

माओत्से तुंग के नेतृत्व में चीनी राजतंत्र का अंत एवं साम्यवादी चीनी लोक गणराज्य (पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) का उदय

12

शीत युद्ध

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात सोवियत संघ एवं संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के मध्य शक्ति संघर्ष

13

साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद

औद्योगिक क्रांति के उपरांत नवीन बाजारों की खोज के कारण साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद का उदय

14

सोवियत संघ का विघटन

आर्थिक एवं राजनैतिक संकटों के कारण अंततः 26 दिसंबर 1991 में विघटन

इतिहास
- प्राचीन
- मध्यकालीन
- आधुनिक

प्राचीन → मानवीय सभ्यता का उदय

वैज्ञानिक प्रगति

नगरों का उदय

व्यापार का विकास

ग्रामीण एवं नगरीय संस्कृतियों का उद्भव

मध्यकालीन →

धर्म का बोलबाला

धार्मिक संस्थाएं महत्वता

धार्मिक प्रभुत्व = धार्मिकतानाशाही

रूढ़िवादिता, अंधविश्वास एवं कुरीतियों का बोलबाला

तार्किक चीजें = समाप्त

आत्मचिंतन = अवरुद्ध

आधुनिक →

चिंतन

दार्शनिक

भौगोलिक खोजें

वैज्ञानिक आविष्कार

पुनः तर्क का जन्म

आत्मचिंतन की प्रवृत्ति बढ़ी।

1.1.1 यूरोप में पुनर्जागरण (Renaissance in Europe)

यूरोप में मध्यकाल में आए सांस्कृतिक आंदोलन को पुनर्जागरण कहते हैं। यह आंदोलन इटली के फ्लोरेंस नगर से आरंभ होकर पूरे यूरोप में फैल गया। इस आन्दोलन का समय चौदहवीं शताब्दी से लेकर सत्रहवीं शताब्दी तक माना जाता है। पुनर्जागरण का अर्थ पुनर्जन्म होता है। मुख्यत: यह यूनान और रोम के प्राचीन शास्त्रीय ज्ञान की पुन:प्रतिष्ठा का भाव प्रकट करता है।

पुनर्जागरण के दौरान ज्योतिप शास्त्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र, चिकित्सा, जीवविज्ञान और सामाजिक विज्ञानों में बहुमूल्य योगदान हुए। रॉजर बेकन ने अपनी कृति "सालामन्ज हाउस" में पुनर्जागरण की आदर्शवादी भावना को अभिव्यक्ति प्रदान की है। पुनर्जागरण का अग्रदूत फ्लोरेंस नगर, इटली के महान कवि दांते (1260-1321 ई.) थे।

1.1.2 यूरोप में पुनर्जागरण के कारण (Causes of Renaissance in Europe

- कुस्तुनतुनिया का पतन (पूर्वी रोमन साम्राज्य की राजधानी)- 1453 ई. में उस्मानी तुर्कों ने कुस्तुनतुनिया पर अधिकार कर लिया, कुस्तुनतुनिया के विद्वान् भागकर यूरोप के देशों में शरण लिए, वे अपने साथ प्राचीन यूनानी और रोमन ज्ञान विज्ञान और चिंतन पद्धति को भी ले गए। यूरोप और पूर्वी देशों के बीच व्यापार का स्थल मार्ग बंद हो गया, अब जलमार्ग से पूर्वी देशों में पहुँचने का प्रयास होने लगा, इसी क्रम में कोलंबस, वास्कोडिगामा और मैगलन ने अनेक देशों का पता लगाया।

- प्राचीन साहित्य की खोज - पेट्रार्क (Petrarch), दांते (Dante Alighieri), और बेकन जैसे विद्वानों ने प्राचीन ग्रन्थों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया और लोगों को गूढ़ विषयों से परिचित कराने का प्रयास किया।

- मानववादी विचारधारा का प्रभाव : मानव को केन्द्र में रखने की बात करती है

1.1.3 इटली से ही पुनर्जागरण का सूत्रपात क्यों ?

इटली की भौगोलिक स्थिति अनुकूल थी। वह भूमध्यसागर के मध्य में स्थित था अतः इटली व्यापार का केंद्र बना व्यापारिक केंद्र होने से भौतिक संपन्नता आई, इस संपन्नता ने सांस्कृतिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया। इटली की समृद्धि से व्यापारिक मध्यम वर्ग का उदय हुआ। जिसने सामन्त और पोप की परवाह करना बंद कर दिया।

वैचारिक / दार्शनिक योगदान – दांते (1260-1321 ई.), पेट्रॉक (1304-1367), बोकेशियो (1313-1375 ई.), मैकियावेली (1469-1567 ई.) :- दर्शनिक विचार। वैज्ञानिक तर्क। व्यंग।

कलात्मक योगदान - पुनर्जागरण की भावना की पूर्ण अभिव्यक्ति इटली के तीन कलाकारों लियोनार्दो द विंची, माइकल एंजलो और राफेल की कृतियों में मिलती है।

1.1.4 पुनर्जागरण का प्रभाव (Effect of Renaissance)

पुनर्जागरण का प्रभाव मुख्य रुप से तत्कालीन धर्म, राजनीति, समाज, साहित्य, कला एवं विज्ञान पर पड़ा -

साहित्य के क्षेत्र में प्रभाव

- ✓ मध्यकाल में लैटिन सुशिक्षित लोगों की भाषा थी, जो सामान्य व्यक्ति की समझ से बाहर थी। पुनर्जागरण काल में लैटिन का अध्ययन तो बढ़ा ही साथ ही इतालवी, जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश जैसी 8 भाषाओं में भी साहित्य का सृजन होने लगा।
- ✓ नाटक विधा का सूत्रपात भी पुनर्जागरण काल में हुआ।
- ✓ इसी काल में दांन्ते ने "डिवाइन कॉमेडी" टॉमस मूर ने "यूटोपिया" और चौसर ने "कैटरबरी टेल्स" की रचना की।
- ✓ इस काल में यूरोप के लगभग सभी देशों में प्रांतीय भाषाओं में मानवतावादी विचारों से ओतप्रोत रचनाए हुई, इन रचनाओं ने विभिन्न भाषाओं के विकास का मार्ग प्रशस्त किया।

1.1.4 पुनर्जागरण का प्रभाव (Effect of Renaissance)

- ✓ पुनर्जागरण काल के सर्वश्रेष्ठ निबंधकार फ्रांसिस बेकन (इंगलैंड) थे।
- ✓ इरासमस (हॉलैंड) ने द प्रेज ऑफ फौली (मूर्खता की प्रशंसा) पुस्तक में पादरियों के अनैतिक जीवन और इसाई धर्म की कुरीतियों पर व्यंग्य किया गया है।
- ✓ अपनी पुस्तक यूटोपिया के माध्यम टॉमस मूर (इंगलैंड) ने आदर्श समाज का चित्र प्रस्तुत किया था।
- ✓ मार्टिन लूथर ने जर्मन भाषा में बाइबल का अनुवाद प्रस्तुत किया है। (धार्मिक आंदोलन)
- ✓ रोमियो एंड जूलिएट, शेक्सपीयर (इंगलैंड) की अमर कृति है।
- ✓ पुनर्जागरण के दौरान डच और जर्मन कलाकारों में हाल्वेन और एल्बर्ट ड्यूरर उल्लेखनीय हैं। उन्होंने शास्त्रीय साहित्य की अपेक्षा अपने आसपास दैनिक जीवन में अधिक रुचि प्रदर्शित की। जिससे वैज्ञानिक उपलब्धियों के क्षेत्र में जर्मनी, इटली से भी आगे निकल गया।
- ✓ इसी दौर में जर्मनी के जॉन गुटेनबर्ग ने प्रिंटिंग प्रेस की खोज की।

1.1.4 पुनर्जागरण का प्रभाव (Effect of Renaissance)

प्रमुख साहित्यकार एवं उनके योगदान

दांते (1260-1321 ई.)

- ✓ पुनर्जागरण का अग्रदूत फ्लोरेंस नगर, इटली के महान कवि दांते (1260-1321 ई.) थे।
- ✓ प्राचीन लैटिन भाषा छोड़कर तत्कालीन इटली की बोलचाल की भाषा टस्कन में "डिवाइन कॉमेडी" नामक काव्य लिखा। इसमें दांते ने स्वर्ग और नरक की एक काल्पनिक यात्रा का वर्णन किया है।

पेट्रॉक (1304-1367) (इटली)

- ✓ दांते के बाद पुनर्जागरण को आगे ले जाने वाला दूसरा व्यक्ति पेट्रॉक (1304-1367) था।
- ✓ मानववाद का संस्थापक पेट्रॉक को माना जाता है।

1.1.4 पुनर्जागरण का प्रभाव (Effect of Renaissance)

प्रमुख साहित्यकार एवं उनके योगदान

बोकेशियो (1313-1375 ई.)

- ✓ इतालियन गद्य का जनक कहानीकार **बोकेशियो** (1313-1375 ई.) को माना जाता है।
- ✓ बोकेशियो की प्रसिद्ध पुस्ताक डेकामेरॉन है।

मैकियावेली (1469-1567 ई.)

- ✓ आधुनिक विश्व के पहले राजनीतिक चिंतक फ्लोरेंस निवासी **मैकियावेली** (1469-1567 ई.) थे।
- ✓ मैकियावेली की द **प्रिंस** किताव राज्य की एक नई तस्वीर दिखाती है।

1.1.4 पुनर्जागरण का प्रभाव (Effect of Renaissance)

कला के क्षेत्र में प्रभाव

- धर्म द्वारा प्रतिपादित विषय को चित्रकला के माध्यम से प्रकट करना ही कलाकारों का उद्देश्य था। **'मोनालिसा'** और **'द लास्ट सपर'** जैसे विश्व प्रसिद्ध चित्र इसी काल में बनाए गए।
- स्थापत्य कला एवं मूर्तिकला के क्षेत्र में **शृंगार-सज्जा, अलंकरण, मेहराब और स्तंभों** की प्रधानता होने लगी।
- इस काल में **भारतीय संगीत** लोकप्रिय हो गया और नए वाद्य यंत्रों का आविष्कार भी हुआ। **'आधुनिक ओपेरा'** का जन्म इसी काल में हुआ था।
- पुनर्जागरण की भावना की पूर्ण अभिव्यक्ति इटली के तीन कलाकारों **लियोनार्दो द विंची, माइकल एंजलो और राफेल** की कृतियों में मिलती है।
- पुनर्जागरण काल में चित्रकला का जनक **जियाटो** को माना गया है।

1.1.4 पुनर्जागरण का प्रभाव (Effect of Renaissance)

प्रमुख कलाकार एवं उनके योगदान

लियोनार्दो द विंची

- ✓ लियोनार्दो द विंची एक चित्रकार, मूर्तिकार, इंजीनियर, वैज्ञानिक, दार्शनिक, कवि और गायक था।
- ✓ द लास्ट सपर और मोनालिसा नामक अमर चित्रों को बनाने वाले लियोनार्दो द विंची थे।

माइकल एंजलो

- ✓ द लास्ट जजमेंट, द फॉल ऑफ मैन और सिस्तान के गिरजाघर की छत पर चित्र, डेविड एवं पियथा मूर्ति माइकल एंजलो की कृतियां हैं।

राफेल

- ✓ जीजस क्राइस्ट की मां मेडोना का चित्र, राफेल की कृति है।

1.1.4 पुनर्जागरण का प्रभाव (Effect of Renaissance)

विज्ञान के क्षेत्र में प्रभाव

- ✓ इंग्लैड के **रोजर बेकर** को आधुनिक **प्रयोगात्मक विज्ञान** का जन्मदाता माना जाता है।
- ✓ अभी तक प्रचलित यह विचारधारा थी कि पृथ्वी विश्व के केंद्र में है और सूर्य उसके चारों ओर घूमता है इसे पोलैंड के वैज्ञानिक **कॉपरनिकस** ने झूठा सिद्ध कर दिया और सिद्ध किया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।
- ✓ इटली के **गैलीलिओ** (1560-1642 ई.) ने टेलीस्कोप का आविष्कार कर **कॉपरनिकस** के सिद्धांत को अकाट्य सिद्ध किया।
- ✓ जर्मनी के प्रसिद्ध वैज्ञानिक **केपला** या **केपलर** (1571-1630 ई.) ने गणित की सहायता से यह बतलाया कि ग्रह सूर्य के चारों ओर किस प्रकार घूमते हैं।
- ✓ इंग्लैण्ड के **न्यूटन** (1642-1726 ई.) ने गुरुत्वाकर्षण के नियम का पता लगाया।

1.1.4 पुनर्जागरण का प्रभाव (Effect of Renaissance)

विज्ञान के क्षेत्र में प्रभाव

- ✓ इसी दौर में जर्मनी के **जॉन गुटेनबर्ग** ने **प्रिंटिंग प्रेस** की खोज की।
- ✓ बेल्जियम के प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक **वेसेलियस** ने **मानव शरीर** रचना एवं **विलियम हार्वे** (इंगलैंड) ने **रक्त परिसंचरण तंत्र** की विस्तृत जानकारी दी।
- ✓ **13 वें पोप ग्रेगरी** ने लीप वर्ष के आधार पर सौर वर्ष को प्रस्तुत किया, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

1.1.4 पुनर्जागरण का प्रभाव (Effect of Renaissance)

नवीन व्यापारिक मार्गों की खोज एवं महान समुद्री यात्राएं

- ✓ कुस्तुंतुनिया के पाटन के बाद यूरोप और पूर्वी देशों के बीच व्यापार का स्थल मार्ग बंद हो गया, अब जलमार्ग से पूर्वी देशों में पहुँचने का प्रयास होने लगा, इसी क्रम में **कोलंबस, वास्कोडिगामा** और **मैगलन** ने अनेक देशों का पता लगाया।
- ✓ अमेरीका (**क्रिस्टोफर कोलम्बस**) एवं भारत (**वास्कोडिगामा**) तक जाने के समुद्री मार्ग की खोज,
- ✓ **अमेरिगो बेस्पुसी (इटली)** के नाम पर अमेरिका का नाम अमेरिका पड़ा।
- ✓ **प्रशांत महासागर** का नामकरण **स्पेन निवासी मैगलन** ने किया।
- ✓ समुद्र मार्ग से सम्पूर्ण विश्व का चक्कर लगानेवाला प्रथम व्यक्ति **मैगलन** था।

thank you